

20752

भारत के राजपत्र अध्याधारण/सी 3, उपरील शीर्षक में प्रकाशनार्थ

भारत सरकार  
तिल्ल भेत्रालय  
राजपत्र विभाग  
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली 23 अक्टूबर, 1978

अधिसूचना  
आव-सर

कागजात 1311-- केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 80अनक की उपधारा 12 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर नियम 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्-

1. 11 हा नियमों का संशोधन नाम आयकर (वाईसकों संशोधन नियम, 1978) है;  
12 के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. आयकर नियम, 1962 में नियम 19 के पश्चात् निम्नलिखित नियम 19कख अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्-

19कख- धारा 80अनक के अधीन कटौती का दावा करने के लिए रिपीट का प्रारूप।

लेखाकार की रिपीट नियमों के अधीन धारा 80अनक की उपधारा 12 के सी 3 का अधीन आय की किराया के साथ निर्धारित द्वारा दिया जाना

3. आयकर नियम 1962 के परिशिष्ट II में प्रत्येक रंग 10 में के पश्चात् निम्नलिखित "प्रत्येक रंग 10" अंतःस्थापित की जायेगी, अर्थात्:-

"प्रत्येक रंग 10  
नियम 1962 के अन्तर्गत"

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80 अन्तर्गत के अधीन रिपोर्ट

1. मैं/हमने ..... 31 मार्च को समाप्त हुए वर्ष के दौरान ..... के निनिर्माण और/या उत्पादन में ..... औद्योगिक उपकरणों/स्थायी लेखा संख्यांक सहित निधारिती का नाम और घटाई के लेखाओं/अभिलेखों की तौल कर ली है।

2. मैं/हम यह प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि निधारिती वर्ष ..... की हाइत आयकर अधिनियम, 1961 <sup>अध्याय</sup> 80 अन्तर्गत की उपधारा 31 के अधीन निधारिती द्वारा दावा की जाने वाली कटौती ..... रु० है, जिसका अवधारण पूर्ववर्ती वर्ष में अवधारिती द्वारा नियोजित नए नियमित कर्मचारियों की संवत्त अतिरिक्त मजदूरी के आधार पर किया गया है। उक्त रकम इस प्रत्येक के संपादन में दिए गए व्ययों के आधार पर लिखी गयी है।

तारीख.....

हस्ताक्षर

लेखापाल

टिप्पण

1. जो लागू न हो उस काट दीजिए।

2. यह रिपोर्ट----

3.11.1962 अन्तर्गत अधिनियम 1962 के अन्तर्गत 1962 के अन्तर्गत

उपधारा 128 के उपबंधों के आधार पर, उस राज्य में रजिस्ट्रीकृत कम्पनी के संपरीक्षक के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किए जाने का हवादार है।

3. यदि इस रिपोर्ट में निलिखित बात का उत्तर नकारात्मक या कोई शर्त लगाकर दिया गया है तो उसके लिए कारण अवश्य दिए जाने चाहिए।

#### उपबंध

प्रारूप सं. 108 के पैरा 2 देखिए।

1. निर्धारिती की विशिष्टियाँ,

क. नाम

ख. रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता

ग. स्थायी लेखा संख्यांक

2. निर्धारित वर्ष

3. कारखाने की प्रकृति क्या उपग्रह विनिर्माण या उत्पादन में लगी है, उत्पाद भी परिचक्षित करें।

4. नियमित कर्मचारों की संख्या

क. नए साल से एकक की दशा में, कारखाने के प्रारम्भ की तारीख क.

ख. विद्यमान एकक की दशा में, पूर्ववर्ती वर्ष के प्रथम तिमाही की क.

5. पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान नियोजित नए नियमित कर्मचारों की संख्या क.

6. ऐसे नियमित कर्मचारों की संख्या जिनका पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान नियोजन समाप्त हो गया है क.

7. अंतिम तारीख की नियमित कर्मचारों की संख्या क.

8. कहींती हे लिए हकदार नए नियमित कर्मकारी की संख्या ।  
नीचे टिप्पण देखिए :-
9. निर्धारित कम्पनी द्वारा नए नियमित कर्मकारी की संख्या  
अतिरिक्त मजदूरी नीचे टिप्पण देखिए :-
10. उपर मत 9 में उल्लिखित रकम का 30% ।
11. कया मत 7 में उल्लिखित नियमित कर्मकारी में से <sup>कोई</sup> निम्नलिखित  
हमें था -
- |   |          |
|---|----------|
| 1. ऐसे आकस्मिक कर्मकार  | हाँ/नहीं |
| 2. ऐसा श्रमिक है मार्केट नियोजित, या  | हाँ/नहीं |
| 3. ऐसे पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान तीन से अधिक से कम की अवधि<br>के लिए नियोजित | हाँ/नहीं |

यदि हाँ, तो उसके प्रकार है

12. टिप्पणियाँ,

टिप्पण:

\* 1. नए हकदार गए सप्ताह की वृद्धि में, नए नियमित  
कर्मकारी की संख्या इस सी विधानन नियमित कर्मकारी से  
अधिक होनी चाहिए

2. विधानन हक की वृद्धि में, नए नियमित कर्मकारी  
की संख्या विधानन नियमित कर्मकारी के 10% से अधिक होनी  
चाहिए, किन्तु यदि वृद्धि 10% से कम है तो कोई भी हकदार  
नहीं होगा।

\*\* 3. नए उपक्रम की वृद्धि में पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान नियोजित  
इस सी कर्मकारी से अधिक नियमित कर्मकारी को संयुक्त मजदूरी

विद्यमान एकक की दशा में, यह एक सौ विद्यमान नियमित  
कर्मचारों से अधिक <sup>नए नियमित</sup> कर्मचारों की संख्या में बढ़ती है, किन्तु  
यदि वर्ष के दौरान नियमित कर्मचारों की संख्या में वृद्धि  
वर्ष के प्रारम्भ में विद्यमान नियमित कर्मचारों की संख्या  
के 10% से कम है तो अतिरिक्त मजदूरी शून्य होगी।

फाइल नं. : 142/59/79-टीपीएन

संख्या : 10734

मुनीति  
23.10.98.

मुनीति सीता स्तव

अवर सचिव, भारत सरकार

टिप्पणी :- मूल नियम अधिसूचना क्र. आ. 969(अ.)  
तारीख 26.03.1962 द्वारा प्रकाशित किए  
गये थे। और अंतिम अधिसूचना संख्या  
क्र. आ. 10722 (अ.) तारीख 13.10.1998  
द्वारा किया गया था।

TO BE PUBLISHED IN THE GAZETTE OF INDIA EXTRA ORDINARY  
PART - II - SECTION 3, SUB-SECTION (ii)

Government of India  
Ministry of Finance  
Department of Revenue  
(Central Board of Direct Taxes)

New Delhi, the 23<sup>rd</sup> October, 1998.

NOTIFICATION  
INCOME-TAX

S.O. (E) -- In exercise of the powers conferred by proviso to sub-section (2) of section 80JIAA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rule further to amend the Income-tax Rule, 1962, namely:-

1. (1) These rules may be called the Income-tax *(Twenty second Amendment)* Rules, 1998;  
(2) They shall come into force on their publication in the Official Gazette.
2. In the Income-tax Rules, 1962, after rule 19A, the following rule 19AB shall be inserted, namely,-

"19AB. Form of report for claiming deduction under section 80JIAA.

Report of an accountant which is required to be furnished by the assessee, alongwith the return of income under clause (b) of sub-section (2) of section 80JIAA shall be in Form No. 10DA"

3. In Apendix II to the Income-tax Rules, 1962, after form No. 10D, the following "FORM NO. 10DA" shall be inserted namely:-

"FORM NO. 10DA  
(See rule 19AB)

Report under section 80JIAA of the Income-tax Act, 1961

1. I/We have examined the accounts and records of

.....  
(Name and address of the assessee with permanent account number)  
an industrial undertaking engaged in the manufacture and/or production of  
..... during the year ended on 31st day of March.

2. I/We certify that the deduction to be claimed by the assessee under sub-section (1) of section 80JAA of Income-tax Act, 1961 with respect of assessment year \_\_\_\_\_ is Rs. \_\_\_\_\_ determined on the basis of additional wages paid to the new regular workmen employed by the assessee in the previous year. The said amount has been worked out on the basis of details given in annexure to this form.

Date.....

Signed  
Accountant

**Notes**

1. Delete whichever is not applicable.
2. This report is to be given by -
  - (i) a Chartered Accountant within the meaning of Chartered Accountants Act, 1949 (32 of 1949); or
  - (ii) any person who in relation to any State is by virtue of the provisions in sub-section (2) of section 226 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), entitled to be appointed to act as an auditor of companies registered in that State.
3. Where any of the matter stated in this report is answered in the negative or with a qualification, the report shall state the reasons therefor.

ANNEXURE

(See paragraph 2 of form No. 10DA)

1. Particulars of the Assessee,
  - a. Name
  - b. Address of registered office.
  - c. Permanent Account Number
2. Assessment year
3. Nature of business (whether the undertaking is engaged in manufacture or production, identify product also)
4. Number of regular workmen

- (a) in case of newly set up unit, as on the date of commencement of business (A)  
 (b) in case of existing unit, as on the first day of the previous year (A)

5. Number of new regular workmen employed during the previous year (B)
6. Number of regular workmen who ceased to continue in employment during the previous year (C).
7. Number of regular workmen as on the last date (A + B - C).
8. Number of new regular workmen entitled for the deduction (*see notes below*) \*
9. Additional wages paid to new regular workmen, by the assessee company. (*see notes below*) \*\*
10. 30% of the amount mentioned in item No. 9, above.
11. Whether any of the regular workmen as mentioned in col. 7 was
 

(a) casual worker,	yes/no
(b) employed through contract labour or,	yes/no
(c) employed for a period of less than three hundred days during the previous year	yes/no

If yes, furnish details thereof
12. Remarks.

Notes:

*\*(a) in case of newly set up unit, the number of new regular workmen should be in excess of one hundred existing regular workmen*

*(b) in case of existing unit, the number of new regular workmen should be in excess of 10% the existing regular workmen, but if the increase is less than 10%, none should be entitled*



- \*\* (i) In case of new undertaking, it is wages paid to the regular workmen in excess of one hundred workmen employed during the previous year*
- (ii) *in case of existing unit, it is wages paid to the new regular workmen in excess of one hundred existing regular workmen but if the increase in number of regular workmen during the year is less than 10% of number of existing regular workmen as at the beginning of the year, the additional wages will be nil.*

F.No. 142/59/98-TPL

Notification No. 10734.

  
(SUNIL SRIVASTAVA)

Under Secretary to the Govt. of India

The principal rules were published vide notification No. S.O. 969 (E) dated 26.3.1962 and were last amended vide notification No. S.O. \_\_\_\_\_ (E) dated \_\_\_\_\_.

TO BE PUBLISHED IN THE GAZETTE OF INDIA EXTRA ORDINARY  
PART-II, SECTION 3, SUB-SECTION (ii)

Government of India  
Ministry of Finance  
Department of Revenue  
(Central Board of Direct Taxes)

New Delhi, the 22<sup>nd</sup> October, 1998

**NOTIFICATION**  
**INTEREST-TAX**

S.O. (E).— In exercise of the powers conferred by section 27 of the Interest-tax Act, 1974 (45 of 1974) the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Interest-tax Rules, 1974, namely,-

*21<sup>st</sup> Amendment*

1. (1) These rules may be called the Interest-tax ( L ) Rules, 1998.  
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Appendix to the Interest-tax Rules, 1974,-
  - (i) in the Form 3, under the Notes occurring at the end, for note 1, the following note shall be substituted, namely,-

“1. The form of appeal, grounds of appeal and form of verification appended thereto should be signed by a person in accordance with the provisions of rule 5(2). The memorandum of appeal, statement of facts and the grounds of appeal must be in duplicate and should be accompanied by a copy of the order appealed against and the notice of demand